RESEARCH ARTICLE Bhartiya Krishi Anusandhan Patrika

कृषि विज्ञान केन्द्र की शैक्षिक प्रक्रिया के प्रति उम्र के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों का प्रत्यक्षीकरण

गीतम सिंह[1], खुशबू शर्मा[1], सुप्रिया सिंह गौर[2]

सारांश

पृष्ठभूमि: कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रशिक्षकों द्वारा दिये गये प्रशिक्षण कार्यक्रमों का युवा प्रशिक्षणार्थियों से मूल्यांकन कराये जाने के बाद प्राप्त परिणाम को प्रत्यक्षीकरण कहते है। प्रस्तुत शोध कार्य में प्रयुक्त प्रदत्त द्वितीय स्रोतों से प्राप्त किये गये है।
विधियां: अध्ययन में कृषि विज्ञान केन्द्र का परिचय एवं कम तथा लम्बी अवधि के युवा प्रशिक्षणों की शैक्षिक प्रक्रिया से सम्बन्धित सरोकारी व्यक्तियों के प्रत्यक्षीकरण का विस्तृत विवरण वर्णनात्मक रूप से प्राप्त किया गया है।
परिणाम: 29 वर्ष से अधिक उम्र के प्रशिक्षणार्थियों में पाठ्यक्रम की सामग्री तथा संगठन के लिये 97.47%, छात्रों का योगदान के लिये 97.98%, सीखने का वातावरण तथा सीखाने की विधि के लिये 99.43%, सीखने के संसाधन के लिये 96.50%, प्रदान करने की गुणवत्ता के लिये 96.21%, मूल्यांकन के लिये 95.96%, प्राध्यापक का मूल्यांकन के लिये 97.98%, शैक्षणिक के लिये 96.59% तथा प्रयोगात्मक उपयोगिकता के लिये 96.82%, प्रशिक्षणार्थी पूर्ण सहमत थे। 29 वर्ष से कम उम्र के प्रशिक्षणार्थियों में पाठ्यक्रम की सामग्री तथा संगठन के लिये 97.79%, छात्रों के योगदान के लिये 98.53%, सीखने का वातावरण तथा सिखाने की विधि के लिये 96.51%, सीखने के संसाधन के लिये 97.61%, प्रदान करने की गुणवत्ता के लिये 98.77%, मूल्यांकन विधि तथा राय के लिये 98.04%, प्रशिक्षक का मूल्यांकन के लिये 98.04%, शैक्षणिक सामग्री की उपयोगिता के लिये 96.08% तथा प्रयोगात्मक सामग्री की उपयोगिता के लिये 97.79% युवा प्रशिक्षणार्थी पूर्णतः सहमत थे।

शब्द कुंजी: उम्र के आधार पर प्रशिक्षणार्थी, विश्लेषणात्मक अध्ययन, शैक्षिक प्रक्रिया, कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रत्यक्षीकरण।

An Analytic Study on the Overview of Age based Trainees for Education Process of Krishi Vigyan Kendra

Gitam Singh[1], Khushboo Sharma[1], Supriya Singh Gaur[2]

10.18805/BKAP771

ABSTRACT

Background: The result obtained after getting the training programs given by the experts of Krishi Vigyan Kendra to be evaluated by the young students is called evaluation.
Methods: The data used in the present research work has been obtained from the secondary resources. It has been obtained from the introduction of Krishi Vigyan Kendra in the study and a detailed description of the practical application of the relevant persons related to the educational process of young students for short and long periods of time.
Result: For more than 29 years old 97.47% for the content of curriculum and organization, for the trainees above 10 years of age 97.98%, for the knowledge of teaching and 99.43%, for the method of teaching 96.5%, for the teaching resources 96.1%, for the quality of providing 95.96%, for comprehensive evaluation, 97.98%, for scholarly participation, 96.59% for scholarly participation and 96.82% for student participation. Below 29 years of age 97.79% for contributing content to curriculum and institute. 98.53%, for the content and method of teaching, 96.51% for teaching resources, 97.61% for quality of delivery, 96.77% for evaluation method and feedback, 98.04% for teacher evaluation, 98.04% for use of materials, 96.08% 97.79 Pratishat Yuva Prashikshan Aarti Purnatya agreed for the use of that material.

Key words: Age based trainees, Analytic study, Education process, Krishi Vigyan Kendra, Overview.

प्रस्तावना

कृषि विज्ञान केन्द्र पर आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी से किसानों के ज्ञान व कौशल को बढ़ाने के लिए युवा प्रशिक्षण आयोजित करना भी नियोजित किया है जिसमें प्रौद्योगिकी के प्रसार की प्रक्रिया को तेज करने के लिए बड़े पैमाने पर विभिन्न विस्तार गतिविधियों जैसे किसान मेला, कृषि प्रदर्शिनी, प्रौद्योगिकी सप्ताह, मीटिंग, समूह चर्चा, सेमिनार, फसल दिवस रेडियो व टी.वी. पर चर्चा आदि का आयोजन करती है। प्रौद्योगिकी

[1]Madhav University, Sirohi-307 026, Rajasthan, India.
[2]Faculty of Education, Banasthali Vidyapith, Tonk-304 022, Rajasthan, India.

Corresponding Author: Gitam Singh, Madhav University, Sirohi-307 026, Rajasthan, India. Email: gitam.singh@madhavuniversity.edu.in

How to cite this article: Singh, G., Sharma, K. and Gaur, S.S. (2025). An Analytic Study on the Overview of Age based Trainees for Education Process of Krishi Vigyan Kendra. Bhartiya Krishi Anusandhan Patrika. 1-7. doi: 10.18805/BKAP771.

Submitted: 10-08-2024 **Accepted:** 25-01-2025 **Online:** 20-03-2025

विकास के नवीनतम क्षेत्रों में जिलावार कृषि विस्तार कर्मियों के ज्ञान को बढ़ाने के लिये उन्हें प्रशिक्षण देती है। आज कल कृशि विज्ञान केन्द्र स्किल इण्डिया राजस्थान आजीविका मिशन तथा नेशनल फूड सिक्युरिटी शिक्षा मिशन तथा अन्य गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा विशिष्ट रूप से युवाओं को प्रशिक्षण देने के कार्यक्रम चल रहे है। कृषि विज्ञान केन्द्र में स्वयं के कार्यक्रम फसल उत्पादन, दुग्ध उत्पादन बागवानी पर युवाओं को प्रषिक्षण तथा रोजगार के लिये मार्गदर्शन दिया जाता ळें ऐतिहासिक समय में शिक्षा प्रणाली व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से ज्ञान प्रदान करने और गुरु और शिष्य के बीच एक मजबूत संबंध बनाने के लिए पर्याप्त मजबूत थी (शर्मा एट आल. 2020)।

वैज्ञानिक प्रशासक कृषि विज्ञान केन्द्र में सभी छः वैज्ञानिक पूरे वर्ष का पाठ्यक्रम विभागाध्यक्ष से चर्चा करके तय करते है तथा क्षेत्र और मौसम के अनुसार प्रशिक्षण तय करते है। फिर उसी क्षेत्र में युवाओं को सूचित करके प्रशिक्षण को शुरू किया जाता है। शिक्षा की प्रक्रिया का पहला कार्य यह है कि कक्षा में क्या प्राप्त करना है। इसके लिये सबसे पहले लक्ष्य या उद्देश्यों को निर्धारित करना होता है। फिर विद्यार्थी को शिक्षा प्रदान करने के लिये विभिन्न कार्यों को करना होता है। जिसमें शिक्षा प्रक्रिया से प्राप्त लक्ष्यों या उद्देश्यों की कहाँ तक प्राप्ति हुयी है। बदलती परिस्थितियों और सीखने के उत्साह ने दूरदराज के स्थानों से शिक्षण की परेशानियों और बाधाओं को खत्म कर दिया है और आजीवन सीखने के बढ़ते महत्व के कारण, ऑनलाइन शिक्षा प्रतिकूल परिस्थितियों में सीखने के लिए एक लोकप्रिय उपकरण बन गई है (शर्मा और चौधरी, 2020)।

कुमारी चन्दानी (2016) ने बिहार राज्य के भोजपुर जिले में कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन किया जिसका उद्देश्य बिहार राज्य के भोजपुर जिले में उच्च प्राथमिक शिक्षा स्तर पर संचालित कल्प कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना है। प्रस्तुत अध्ययन में कल्प कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन जहाँ–जहाँ जैसा है के आधार पर पद करने के लिये शैक्षिक अध ययन की वर्णनात्मक विधि वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है जिसमें बिहार राज्य के भोजपुर जिले में स्थित सभी 244 कल्प विद्यालयों के शिक्षक प्रस्तुत शोध की जनसंख्या है। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रशिक्षकों द्वारा दिये गये प्रशिक्षण कार्यक्रमों का युवा प्रशिक्षणार्थियों से मूल्यांकन कराये जाने के बाद प्राप्त परिणाम को प्रत्यक्षीकरण कहते है। इस प्रक्रिया में प्रशिक्षणार्थी प्राप्त प्रशिक्षण के बारे में अपनी राय पूर्णतः सहमत, सहमत, असहमत तथा पूर्णतः असहमत के रूप में देता है।

राय एवं मित्तल (2017) ने छः वर्षीय अध्यापक शिक्षा में प्रशिक्षता कार्यक्रम सहयोगी विद्यालयीन शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण है। शोध के उद्देश्य (1) सहयोगी विद्यालयीन शिक्षकों का अध्यापक शिक्षा में प्रशिक्षता कार्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना। (2) सहयोगी विद्यालयीन शिक्षकों का अध्यापक शिक्षा में प्रशिक्षता कार्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण का लिंग के सन्दर्भ में अध्ययन करना तथा शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में अध्ययन करना है।

सामग्री एवं परीक्षण विधि

प्रस्तुत शोध में अग्रांकित स्रोतों से द्वितीयक प्रदत्त प्राप्त किये गये – (1) कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रशासक (2) कृषि विज्ञान केन्द्र के युवा प्रशिक्षणार्थी (3) कृषि विज्ञान केन्द्र का पुस्तकालय (4) कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्बन्धित साहित्य।

प्रस्तुत शोध कार्य में प्रयुक्त प्रदत्त द्वितीय स्रोतों से प्राप्त किये गये है। अध्ययन में कृषि विज्ञान केन्द्र का परिचय एवं कम तथा लम्बी अवधि के युवा प्रशिक्षणों की शैक्षिक प्रक्रिया से सम्बन्धित सरोकारी व्यक्तियों के प्रत्यक्षीकरण का विस्तृत विवरण वर्णनात्मक रूप से प्राप्त किया गया है। कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्बन्धित प्रशिक्षणार्थियों की संख्यात्मक रूप शासकों को संख्यात्मक रूप से प्राप्त किया गया है। इस प्रकार शोध में संख्यात्मक एवं वर्णनात्मक प्रकार के प्रदत्तों का प्रयोग किया गया है। शोध अध्ययन के उद्देश्य के अनुसार ऊपर लिखित श्रोतों से विस्तृत संख्यात्मक द्वितीयक प्रदत्तों को प्राप्त करने के लिये स्वनिर्मित सारणी 1 में दिया गया है। इसके लिये विभिन्न चर व सत्रवार सारणियाँ निर्मित की गयी है। शोध में संख्यात्मक एवं वर्णात्मक प्रकार के प्रदत्तों का प्रयोग किया जाता है।

शोध उद्दश्यों की प्राप्ति हेतु संख्यात्मक एवं वर्णनात्मक प्रदत्तों की प्राप्ति के सम्भावित स्थल तथा केन्द्र कम तथा लम्बी अवधि के युवा प्रशिक्षणों से सम्बन्धित शैक्षिक साहित्य तथा प्रशासकों के प्रत्यक्षीकरण पद अध्ययन करने की सुलभता को ध्यान में रखते हुये विचार किया गया कि प्रदत्त संकलन का श्रीगणेश कृषि विज्ञान केन्द्र के कम तथा लम्बी अवधि के युवा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शैक्षिक प्रक्रिया के प्रति सरोकारी व्यक्तियों का प्रत्यक्षीकरण से किया जाये। इस हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र के

सारणी 1: प्रस्तुत अनुसंधान के लिए अध्ययन कारक

क्र.सं.	कारक	संख्या	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
उम्र के आधार पर				
ग्रुप–1	29 वर्ष से कम	34		
ग्रुप–2	29 से वर्ष अधिक	66		

अभिलेखों से आने वाले युवा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की तिथि पर युवा प्रषिक्षणार्थियों से प्रश्नावली भरवायी गयी तो कि शोधकार्य के सह निर्देशक डॉ. डी.वी. सिंह ने तैयार करवायी थी। कृषि विज्ञान केन्द्र के अलग–अलग विषयवस्तु विशेषज्ञों से तथा गैर वैज्ञानिक प्रशासकों से भी प्रश्नावली अलग प्रकार की भरवायी गयी। इस प्रकार सभी प्रश्नावलियों को शिक्षा संकाय में निर्देशिका जी को दिखाया तथा प्राप्त परिणामों का गुणात्मक विष्लेशण किया। तदोपरान्त शोध कार्य के सभी अध्यायों को निर्देशिका जी ने लिखवाया जिसमें प्रथम अध्याय सम्प्रत्ययात्मक अनुस्थापन, द्वितीय अध्याय सम्बद्ध साहित्य अध्ययन एवं विवेचन, तृतीय अध्याय – अनुसंधान आकल्पन एवं क्रियान्वयन, चतुर्थ अध्याय – प्रदत्त प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण एवं समेकन, पंचम अध्याय – समाहार एवं निष्कर्ष करवाया।

दो दिन से कम अवधि वाले कार्यक्रमों में समय कम होने के कारण सभी विषय पर सूक्ष्म चर्चा की जाती है तथा कम समय में अधिक ज्ञान दिया जाने का उद्देश्य होता है। इसमें इसमें मुद्रित सामग्री देकर प्रशिक्षणार्थियों को विषयवस्तु समझा दी जाती है। सभी विषयों को बराबर–बराबर समय दिया जाता है तथा किसानों को जलपान वगैरह की भी व्यवस्था की जाती है।

ये दीर्घकालीन प्रशिक्षण एक निश्चित विषय एवं पाठ्यक्रम के आधार पर होते हैं। जैसे कि उन्नतशील डेरी उत्पादन, मुर्गीपालन, उद्यान की, गेहूँ की उन्नतशील खेती, चने की उन्नतशील खेती, महिला स्वच्छता तथा स्वास्थ्य प्रशिक्षण आयोजित किये जाते है। इसमें ध्यान दिया जाता है कि कौनसा क्षेत्र किस समस्या से ग्रसित है तथा किस विशेष कृषि क्षेत्र से प्रभावित है। इस दृष्टिकोण से पाठ्यक्रम तय किया जाता है।

स्वनिर्मित समेकन सारणियों की सहायता से द्वितीयक स्रोतों द्वारा संख्यात्मक प्रदत्तों की प्राप्ति की गयी। प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण अनेक पदों में किया गया और अन्त में शोध उद्दश्यों के अनुरूप उन्हें व्यवस्थित किया गया। विश्लेषण की प्रक्रिया में वर्णनात्मक प्रदत्तों के विश्लेषण किया गया तथा संख्यात्मक प्रदत्तों की आवश्यकतानुसार सारणी में रेखाचित्रों द्वारा प्रदर्शित किया गया। तत्पश्चात् व्याख्या प्रस्तुत कर निष्कर्ष प्राप्त किये गये। प्रदत्तों का विश्लेषण अग्रांकित पदों में किया गया है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विविध माध्यमों से प्राप्त बिखरे हुये विविध प्रकार के प्रदत्तों में से सार्थक प्रदत्तों को सर्वप्रथम व्यवस्थित करने के पश्चात् उन्हें प्रचलित कार्यक्रम के अनुसार–

$$\text{प्रत्यक्षीकरण का \%} = \frac{\text{कुल प्राप्तांक प्राप्तांक}}{\text{कुल पूर्णांक}} \times 100$$

$$\text{प्रत्यक्षीकरण का \%} = \frac{\text{एक प्रश्नावली के कुल अंक}}{\text{सरोकारी व्यक्तियों की कुल संख्या}} \times 100$$

$$\text{प्रत्यक्षीकरण का \%} = \frac{\text{एक वर्ग की सभी प्रश्नावाली का कुल प्राप्तांक}}{\text{एक वर्ग की सभी प्रश्नावली का कुल पूर्णांक}} \times 100$$

परिणाम एवं विवेचना

उम्र के आधार पर

क –29 वर्ष से कम उम्र के युवा प्रशिक्षणार्थी

कृषि विज्ञान केन्द्र की शैक्षिक प्रक्रिया के प्रति 29 वर्ष से कम उम्र के युवा प्रशिक्षणार्थियों का प्रत्यक्षीकरण

सारणी संख्या 2 के प्रश्न संख्या 1 के लिये प्राप्त अंकों 99.26% से यह स्पष्ट होता है कि प्रशिक्षणार्थियों का शैक्षिक प्रक्रिया में पाठ्यक्रम का भार वहन करने योग्य भी था। इसी क्रम में पाठ्यक्रम अच्छे दिन आयोजित होने के लिये प्रत्यक्षीकरण का 97.79% प्राप्त हुआ जो कि पूर्णतः सहमति की ओर इंगित करता है।

सारणी संख्या 3 में प्रश्न संख्या 1 के लिये सभी 34 प्रशिक्षार्थियों का शैक्षिक प्रक्रिया के प्रति 97.06% सहमत प्रत्यक्षीकरण दिया गया जिससे यह स्पष्ट होता है कि पाठ्यक्रम के दौरान प्रशिक्षार्थियों की उपस्थिति का स्तर ठीक था तथा 98.53% प्रत्यक्षीकरण कोर्स में उन्नती के लिये था।

सारणी 2: पाठ्यक्रम की सामग्री तथा संगठन का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	34	135	136	99.26
2	34	133	136	97.79
3	34	131	136	96.32
कुल		399	40	897.79

सारणी 3: छात्रों का योगदान का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	34	132	136	97.06
2	34	136	136	100
3	34	134	136	98.53
कुल		402	408	98.53

सारणी संख्या 4 में प्रश्न संख्या एक व दो में पाठ्यक्रम सीखने के लिये सही तरीके से बनाया जाना तथा सीखने तथा पढ़ने का तरीका प्रतिभागिता को बढ़ाना था के लिए 96.32% प्रत्यक्षीकरण दिया गया। कुल मिलाकर कक्ष का वातावरण सीखने के अनुकूल था बिन्दु के 97.06% प्रत्यक्षीकरण सहमति से प्राप्त हुआ तथा कक्ष सन्तोषजनक थे ऐसा 98.53% सहमति में प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ।

सारणी संख्या 5 में सीखने के संसाधन के सन्दर्भ में सीखने की सामग्री (पाठ्यरूप रेखा, कोर्स, नोट्स इत्यादि) के लिये 96.32% सहमति में प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ। बतायी गयी किताबें आदि सम्बन्धित एवं उपयोगी थी के लिये 100% सहमति में प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ। 98.53% प्रशिक्षार्थी इस बात से सहमत थे कि पुस्तकालय में सीखने की सामग्री का प्रावधान पर्याप्त तथा सटीक था। उपरोक्त सारणी में प्रश्न संख्या चार के लिए वेबसाइट पर सीखने की सामग्री का प्रावधान पर 95.59% सहमति में प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ।

सारणी संख्या 6 में प्रशिक्षण प्रदान करने की गुणवत्ता से सम्बन्धित बिन्दुओं पर अध्ययन हआ है। जिसमें 97.06% सहमति कोर्स द्वारा प्रशिक्षार्थी के विचारों तथा रूचियों को विषय क्षेत्र पद बढ़ाये जाने से सम्बन्धित थी। द्वितीय प्रश्न के लिए 99.26% प्रशिक्षार्थियों ने सहमति दी।

सारणी संख्या 7 में मूल्यांकन की विधि के लिये 97.06% मूल्यांकन पद राय सहमत से लेने के लिये 98.53% तथा मूल्यांकन पर राय समझ ली गयी के लिये 98.53% सहमति मूल्यांकन के लिये दी गयी।

सारणी संख्या 8 में प्रशिक्षक का मूल्यांकन सम्बन्धी बिन्दुओं पर प्रत्यक्षीकरण लिया गया जिसमें व्याख्यान को समझने के लिये सारणी सही से संगठित तथा प्रस्तुत करने के लिए एवं प्रशिक्षक छात्रों की आवश्यकता तथा समस्याओं के प्रति लगाव के लिये 96.08% सहमति से प्रत्यक्षीकरण दिया गया।

सारणी संख्या 9 में शैक्षणिक बिन्दुओं का अध्ययन किया गया जिसमें कि शैक्षणिक सामग्री की उपयोगिता के लिये 100% शैक्षणिक के लिये जरूरी कार्य की मात्रा से खुशी के लिये 96.32% तथा शिक्षक द्वारा समस्याओं को प्रभावी ढंग से नियोजन के लिये 91.91% सहमति से प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ।

सारणी संख्या 10 में प्रयोगात्मक बिन्दुओं पर अध्ययन किया गया जिसमें कि प्रयोगात्मक सामग्री की उपयोगिता के लिये 97.06% नमूना प्रस्तुत करने वालों द्वारा समस्या का समाधान के लिए 100% कोर्स की सर्वोत्तम बात के लिये 98. 53% सम्पूर्ण कोर्स के लिये 97.06% तथा समान अवसर की

सारणी 4: सीखने का वातावरण तथा सिखाने की विधि का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	34	131	136	96.32
2	34	132	136	97.06
3	34	128	136	94.12
4	34	134	136	98.53
कुल		525	544	96.51

सारणी 5: सीखने का संसाधन का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	34	131	136	96.32
2	34	136	136	100
3	34	134	136	98.53
4	34	130	136	95.59
कुल		531	544	97.61

सारणी 6: प्रदान करने की गुणवत्ता का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	34	132	136	97.06
2	34	135	136	99.26
3	34	136	136	100
कुल		403	408	98.77

सारणी 7: मूल्यांकन का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	34	132	136	97.06
2	34	134	136	98.53
3	34	134	136	98.53
कुल		400	408	98.04

सारणी 8: प्रषिक्षक/प्राध्यापक का मूल्यांकन का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	34	136	136	100
2	34	133	136	96.32
3	34	131	136	91.91
		400	408	96.08

जाँच के लिये 96.32% सहमति में प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ। कुल 97.79 प्रतिषत सहमति प्रयोगात्मक कार्य के लिये दी गयी।

29 वर्ष से कम उम्र के पुरा प्रशिक्षणार्थियों में पाठ्यक्रम की सामग्री तथा संगठन के लिये 97.79% छात्रों के योगदान के लिये 98.53% सीखने का वातावरण तथा सिखाने की विधि के लिये 96.51% सीखने के संसाधन के लिये 97.61% प्रदान करने की गुणवत्ता के लिये 98.77% मूल्यांकन विधि तथा राय के लिये 98.04% प्रशिक्षक का मूल्यांकन के लिये 98.04% शैक्षणिक सामग्री की उपयोगिता के लिये 96.08% तथा प्रयोगात्मक सामग्री की उपयोगिता के लिये 97.79% युवा प्रशिक्षणार्थी पूर्णतः सहमत थे। हमारे ये परिणाम राय एवं मित्तल (2017) से पूर्णतः मिलते हैं जो कि शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण से सम्बन्धित हैं।

ख–29 वर्ष से अधिकयुवा प्रशिक्षणार्थी

कृषि विज्ञान केन्द्र की शैक्षिक प्रक्रिया के प्रति 29 वर्ष से अधिकयुवा प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षणार्थियों का प्रत्यक्षीकरण।

सारणी संख्या 11 के प्रश्न संख्या 1 व 2 के लिये प्राप्त अंकों से यह स्पष्ट होता है कि महिला प्रशिक्षणार्थियों का शैक्षिक प्रक्रिया में पाठ्यक्रम का भार वहन करने योग्य भी था। इसी क्रम में पाठ्यक्रम अच्छे दिन आयोजित होने के लिये प्रत्यक्षीकरण का 97.47% प्राप्त हुआ जो कि पूर्णतः सहमति की ओर इंगित करता है।

सारणी संख्या 12 में प्रश्न संख्या 1 के लिये सभी 10 महिला प्रशिक्षार्थियों का शैक्षिक प्रक्रिया के प्रति 96.21% सहमत प्रत्यक्षीकरण दिया गया जिससे यह स्पष्ट होता है कि पाठ्यक्रम के दौरान प्रषिक्षार्थियों की उपस्थिति का स्तर ठीक था तथा 97. 73% प्रत्यक्षीकरण कोर्स में उन्नती के लिये था।

सारणी संख्या 13 में प्रश्न संख्या एक व दो में पाठ्यक्रम सीखने के लिये सही तरीके से बनाया जाना तथा सीखने तथा पढ़ने का तरीका प्रतिभागिता को बढ़ाना था के लिए 98.86% तथा 99.62% प्रत्यक्षीकरण दिया गया। कुल मिलाकर कक्ष का वातावरण सीखने के अनुकूल था बिन्दु के 99.43% प्रत्यक्षीकरण सहमति से प्राप्त हुआ।

सारणी संख्या 14 में सीखने के संसाधन के सन्दर्भ में सीखने की सामग्री (पाठ्यरूप रेखा, कोर्स, नोट्स इत्यादि) के लिये 100% सहमति में प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ। बतायी गयी किताबें आदि सम्बन्धित एवं उपयोगी थी के लिये 95.07% सहमति में प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ। 95.83% प्रशिक्षार्थी इस बात से सहमत थे कि पुस्तकालय में सीखने की सामग्री का प्रावधान पर्याप्त तथा सटीक था। उपरोक्त सारणी में प्रश्न

सारणी 9: शैक्षणिक का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल प्राप्त	अंक प्रतिशत
1	34	136	136	100
2	34	131	136	96.32
3	34	125	136	91.91
कुल		392	408	96.08

सारणी 10: प्रयोगात्मक के लिय प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	34	132	136	97.06
2	34	136	136	100
3	34	134	136	98.53
4	34	132	136	97.06
5	34	131	136	96.32
कुल		665	680	97.79

सारणी 11: पाठ्यक्रम की सामग्री तथा संगठन का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	66	251	264	95.07
2	66	263	264	99.62
3	66	258	264	97.72
कुल		772	792	97.47

सारणी 12: छात्रों का योगदान का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	66	254	264	96.21
2	66	258	264	97.73
3	66	264	264	100
कुल		776	792	97.98

सारणी 13: सीखने का वातावरण तथा सिखाने की विधि का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	66	261	264	98.86
2	66	263	264	99.62
3	66	262	264	99.24
4	66	264	264	100
कुल		1050	1056	99.43

सारणी 14: सीखने का संसाधन का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	66	264	264	100
2	66	251	264	95.07
3	66	253	264	95.83
4	66	251	264	95.07
कुल		1019	1056	9650

संख्या चार के लिए 95.07% सहमति में प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ।

सारणी संख्या 15 में प्रशिक्षण प्रदान करने की गुणवत्ता से सम्बन्धित बिन्दुओं पर अध्ययन हआ है। जिसमें 95.83% सहमति कोर्स द्वारा प्रशिक्षार्थी के विचारों तथा रूचियों को विशय क्षेत्र पद बढ़ाये जाने से सम्बन्धित थी। द्वितीय प्रश्न के लिए 95. 07% प्रशिक्षार्थियों ने सहमति दी।

सारणी संख्या 16 में मूल्यांकन की विधि के लिये 96.97% मूल्यांकन पद राय सहमत से लेने के लिये 96.21% तथा मूल्यांकन पर राय समझ ली गयी के लिये 94.70% सहमति मूल्यांकन के लिये दी गयी।

सारणी संख्या 17 में प्रशिक्षक का मूल्यांकन सम्बन्धी बिन्दुओं पर प्रत्यक्षीकरण लिया गया जिसमें व्याख्यान को समझने के लिये सारणी सही से संगठित तथा प्रस्तुत करने के लिए एवं प्रशिक्षक छात्रों की आवश्यकता तथा समस्याओं के प्रति लगाव के लिये 97.98% सहमति से प्रत्यक्षीकरण दिया गया।

सारणी संख्या 18 में शैक्षणिक बिन्दुओं का अध्ययन किया गया जिसमें कि शैक्षणिक सामग्री की उपयोगिता के लिये 95.07% शैक्षणिक के लिये जरूरी कार्य की मात्रा से खुशी के लिये 95.83% तथा शिक्षक द्वारा समस्याओं को प्रभावी ढंग से नियोजन के लिये 98.86% सहमति से प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ।

सारणी संख्या 19 में प्रयोगात्मक बिन्दुओं पर अध्ययन किया गया जिसमें कि प्रयोगात्मक सामग्री की उपयोगिता के लिये 100% नमूना प्रस्तुत करने वालों द्वारा समस्या का समाधान के लिए 98.86% कोर्स की सर्वोत्तम बात के लिये 95.07% सम्पूर्ण कोर्स के लिये 94.32% तथा समान अवसर की जाँच के लिये 95.83% सहमति में प्रत्यक्षीकरण प्राप्त हुआ। कुल 96.82% सहमति प्रयोगात्मक कार्य के लिये दी गयी।

29 वर्ष से अधिक उम्र के प्रशिक्षणार्थियों में पाठ्यक्रम की सामग्री तथा संगठन के लिये 97.47% छात्रों का योगदान के लिये 97.98% सीखने का वातावरण तथा सीखाने की विधि के लिये 99.43% सीखने के संसाधन के लिये 96.50%, प्रदान

सारणी 15: प्रदान करने की गुणवत्ता का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	66	253	264	95.83
2	66	251	264	95.07
3	66	258	264	97.72
	कुल	762	792	96.21

सारणी 16: मूल्यांकन का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	66	256	264	96.97
2	66	254	264	96.21
3	66	250	264	94.70
	कुल	760	792	95.96

सारणी 17: प्रशिक्षक/प्राध्यापक का मूल्यांकन का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	66	251	264	95.07
2	66	261	264	98.86
3	66	264	264	100
	कुल	776	792	97.98

सारणी 18: षैक्षणिक का प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	66	251	264	95.07
2	66	253	264	95.83
3	66	261	264	98.86
	कुल	765	792	96.59

सारणी 19: प्रयोगात्मक के लिय प्रत्यक्षीकरण।

प्रश्न सं.	कुल प्रशिक्षणार्थी	कुल प्राप्तांक	कुल अंक	प्राप्त प्रतिशत
1	66	264	264	100
2	66	261	264	98.86
3	66	251	264	95.07
4	66	249	264	94.32
5	66	253	264	95.83
	कुल	1278	1320	96.82

करने की गुणवत्ता के लिये 96.21%, मूल्यांकन के लिये 95.96%, प्राध्यापक का मूल्यांकन के लिये 97.98% शैक्षणिक के लिये 96.59% तथा प्रयोगात्मक उपयोगिकता के लिये 96.82% प्रशिक्षणार्थी पूर्ण सहमत थे। हमारे ये परिणाम राय एवं मित्तल (2017) से पूर्णतः मिलते हैं जो कि शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण से सम्बन्धित हैं।

सम्बन्धित साहित्य के उपरोक्त विवेचन से ज्ञात होता है कि इस क्षेत्र में अनेक विधि अध्ययनों के बावजूद कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि विज्ञान केन्द्र युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम की शैक्षिक प्रक्रिया के प्रति सरोकारी व्यक्तियों का प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना' से सम्बन्ध अध्ययनों की संख्या अति न्यून मिश्र एवं कुमारी (2016), चौधरी (1997), भोरणिया (2006), राय एवं मित्तल (2017) एवं मिश्र एवं कुमारी (2016) है जो अध्ययन हुये है तो भी बहुत छोटे न्यादर्ष एवं कम समयाअवधि से सम्बन्धित है। चयनित अध्ययन के समान अन्य कोई अध्ययन उपलब्ध नहीं है। अतः यह एक विचारणीय प्रश्न है कि कृषि विज्ञान केन्द्र के युवा प्रशिक्षण जैसे ज्वलन्त मुद्दे के प्रति सरोकारी व्यक्तियों को प्रत्यक्षीकरण क्या है। अर्थात् गत 10 वर्षों में कृषि विज्ञान केन्द्र के युवा प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रशिक्षणार्थियों ने कितना लाभ उठाया।

निष्कर्ष

29 वर्ष से अधिक उम्र के प्रशिक्षणार्थियों में पाठ्यक्रम की सामग्री तथा संगठन के लिये 97.47% छात्रों का योगदान के लिये 97.98% सीखने का वातावरण तथा सीखाने की विधि के लिये 99.43% सीखने के संसाधन के लिये 96.50%, प्रदान करने की गुणवत्ता के लिये 96.21%, मूल्यांकन के लिये 95.96 प्रतिशत, प्राध्यापक का मूल्यांकन के लिये 97.98% शैक्षणिक के लिये 96.59% तथा प्रयोगात्मक उपयोगिकता के लिये 96.82% प्रषिक्षणार्थी पूर्ण सहमत थे।

29 वर्ष से कम उम्र के पुरा प्रशिक्षणार्थियों में पाठ्यक्रम की सामग्री तथा संगठन के लिये 97.79% छात्रों के योगदान के लिये 98.53% सीखने का वातावरण तथा सिखाने की विधि के लिये 96.51% सीखने के संसाधन के लिये 97.61 प्रतिशत प्रदान करने की गुणवत्ता के लिये 98.77% मूल्यांकन विधि तथा राय के लिये 98.04% प्रशिक्षक का मूल्यांकन के लिये 98.04% शैक्षणिक सामग्री की उपयोगिता के लिये 96.08% तथा प्रयोगात्मक सामग्री की उपयोगिता के लिये 97.79% युवा प्रशिक्षणार्थी पूर्णतः सहमत थे।

संदर्भ

Bhoraniya (2016). Quoted Research Methods, H.K. Kapil, Har Prasad Bhargava 71230, Kachhari Ghat, Agra.

Chaudhary, (1997). An Equarement on Programmed Learning Leason in a course of Correspondence, A Survey of Research in Education, CASE, Baroda.

Mishra, M. and Kumari C. (2016). Studies of the coronation of teachers towards the cycle program in Bhojpur district of Bihar state. Indian Journal of Research. 5(1): 174-175.

Rai, D. and Mittal, K. (2017). Training Program in Bionships Teacher Education: Affiliate of Associate School Teachers. International Journal of Advanced Education Research. 2(3): 277-281.

Sharma, K. and Choudhary, A. (2020). Learners attitude towards online teaching: A study of students in Mewar region during COVID-19. Wesleyan Journal of Research. 13(12): 12-23.

Sharma, K., Mehta, P. and Choudhary, A. (2020). An exploratory study to determines the factors affecting implementation of ICT in rural primary education. Sambodhi Journal. 43(2): 341-346.

Singh, S. and Mishra, O.P. (2015). Agricultural Science Center: Assistant in the progress of farmers, India Water Portal (Hindi), Vigyan Ganga, July, 2015.